# रणजीत टाइम्स

RNI - NO. MPHIN/2015/64585

वर्ष- 12 अंक - 3 साप्ताहिक अख़बार

इंदौर प्रति मंगलवार , 8 अप्रैल 2025 से 14 अप्रैल 2025 तक पृष्ठ - 8 मूल्य - 2 रू.


### 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर-पीएम मोदी ने दिया

# आरोग्यम परमं भाग्यम' का संदेश

● कहा- अच्छा स्वास्थ्य समृद्ध समाज की नींव रखता है ● मोटापे को लेकर जताई चिंता, दी सलाह, फिट रहने के लिए तेल का प्रयोग करें कम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 'आरोग्यम परमं भाग्यम' यानी सेहतमंद होना परम सौभाग्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड हेल्थ डे के अवसर पर इस श्लोक के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। उन्होंने कहा, 'विश्व स्वास्थ्य दिवस के इस मौके पर, हम एक स्वस्थ दुनिया के निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से संकल्पित करें।'

मोदी ने स्वास्थ्य क्षेत्र पर निरंतर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा, 'हम हेल्थ सैक्टर में निवेश करेंगे, क्योंकि अच्छे स्वास्थ्य से ही समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है।

**जीवनशैली में बदलाव ने भारतीयों के स्वास्थ्य को चुनौती दी-** प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने मोटापे की बढ़ती समस्या पर चिंता व्यक्त की और लोगों से अपने खाने में तेल का इस्तेमाल 10 प्रतिशत तक कम करने की अपील की। उन्होंने स्वास्थ्य को सबसे बड़ी पूंजी और भाग्य बताते हुए कहा, 'जीवनशैली में बदलाव ने भारतीयों के स्वास्थ्य को चुनौती दी है, और मोटापे की समस्या एक गंभीर खतरे के रूप में उभरी है।

प्रधानमंत्री ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2050 तक भारत में 440 मिलियन से अधिक लोग मोटापे से प्रभावित होंगे।' प्रधानमंत्री मोदी ने व्यायाम को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने पर भी जोर दिया। 1950 में डब्ल्यूएचओ ने वर्ल्ड हेल्थ डे की शुरुआत की। वर्ल्ड हेल्थ डे हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करना और लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के प्रति जागरूक करना है।

यह दिन स्वास्थ्य के महत्व को समझाने और स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार की दिशा में प्रयासों को तेज करने के लिए मनाया जाता है। 1950 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसकी शुरुआत की थी।

इसका मकसद दुनिया भर में हेल्थ सेक्टर में हो रही प्रगति और समस्याओं पर चर्चा करने के साथ हर वर्ग के लिए समान सेवाएं उपलब्ध कराना था। 7 अप्रैल 1948 को डब्ल्यूएच का गठन हुआ था। भारत भी हेल्थ सेक्टर में प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य से जुड़ी कई पहल शुरू की गई हैं जिनमें आयुष्मान भारत और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं।

● पटना में राहुल गांधी बोले-

# आरएसएस-भाजपा जातीय जनगणना नहीं चाहती, लेकिन हम करवा कर रहेंगे

**पटना/ बेगूसराय (एजेंसी)।** सोमवार को बिहार दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार और आरएसएस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी ने माय एक्सपेरिमेंटस् विथ ट्रुथ लिखा था। मोदी जी शायद माय एक्सपेरिमेंटस् विथ लाइज लिखेंगे। आरएसएस-भाजपा जातीय जनगणना नहीं चाहती, लेकिन हम करवा कर रहेंगे। शेयर बाजार में भारी गिरावट पर राहुल ने कहा, अमेरिकी प्रेसिडेंट ट्रम्प ने शेयर बाजार की धज्जियां उड़ी दी है। आज मार्केट धराशाई हो गया है। आरएसएस पर हमला बोलते हुए कहा, देश के संविधान में सावरकर की सोच नहीं है। इसमें महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू और अंबेडकर जैसे लोगों की सोच है। आज इस देश में आदिवासी, दलित सेकंड सिटिजन है।

**बेगूसराय में कांग्रेस की पलायन रोको यात्रा में शामिल हुए-** राहुल गांधी पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन में पहुंचे थे। इससे पहले उन्होंने बेगूसराय में कांग्रेस की पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा में हिस्सा लिया। कन्हैया कुमार के साथ एक किलोमीटर पैदल यात्रा की।

**मंच पर लगे देखो-देखो शेर आया के नारे-** राहुल के मंच पर पहुंचते ही समर्थकों ने 'देखो-देखो कौन आया, शेर आया' के नारे लगाए गए। राहुल को गदा और गौतम बुद्ध की तस्वीर देकर सम्मानित किया गया। नमक सत्याग्रह आंदोलन की 95वीं वर्षगांठ पर यह कार्यक्रम पटना के एसकेएम में आयोजित किया गया है। इससे पहले राहुल गांधी बेगूसराय में कन्हैया कुमार की यात्रा में बेगूसराय पहुंचे थे। बेगूसराय में पदयात्रा महज 24 मिनट में खत्म हो गई। वे कन्हैया कुमार की 'पलायन रोको और नौकरी दो' यात्रा में 1 किमी पैदल चले।

राहुल गांधी के सामने कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े,पूर्व विधायक ने पटककर मारा बिहार प्रदेश कार्यालय में सोमवार को यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जमकर गुंडागर्दी की। अंदर राहुल गांधी जिला अध्यक्षों और नेताओं के साथ विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक कर रहे थे। उसी दौरान बाहर कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं के बीच तू-तू-मैं-मैं हो गई।

## काबिल टीचर्स के लिए कोर्ट का फैसला अन्यायपूर्ण : सीएम ममता

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को उन शिक्षकों और स्टाफर्स से मुलाकात की, जिनकी भर्ती सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दी है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश से बंधे हुए हैं। यह फैसला उन कैंडिडेट्स के लिए अन्याय है, जो काबिल शिक्षक थे। ममता ने यह मुलाकात कोलकाता के नेताजी इनडोर स्टेडियम में की। इस दौरान उन्होंने कहा, आप लोग यह मत समझिए कि हमने फैसले को स्वीकार कर लिया है। हम पत्थरदिल नहीं हैं। मुझे ऐसा कहने के लिए जेल भी डाल सकते हैं, लेकिन मुझे फर्क नहीं पड़ता है। वहीं, शिक्षकों ने कहा कि घोटाले में सीएम,उनका मंत्रिमंडल और आयोग सभी शामिल हैं। नौकरियों के बदले रिश्वत ली गई है। सीएम ने आज हमें 'लॉलीपॉप' दिया है कि मामले की जांच कराएंगी।

## 4 बच्चे के पिता ने 3 बच्चों की मां से मंदिर में रचाई शादी

### प्रेमी युगल के बीच मामी-भांजे का रिश्ता

**मुंगेर(एजेंसी)।** इन दिनों प्यार के अजब-गजब किस्से हैरान करने वाले होने लगे हैं। ऐसा ही एक मामला प्रखंड क्षेत्र के एक गांव से आया है। यहां चार बच्चों के पिता को इश्क इस कदर चढ़ा कि उन्होंने तीन बच्चों की मां से मंदिर में शादी रचा ली।

हद तो तब हो गई जब 12 वर्षीय पुत्री ने पिता को पहचानने से इनकार कर दिया और दूसरे पिता के साथ रहने की बात कही। महिला के पति के आवेदन पर पुलिस हरकत में आई और प्रेमी युगल को हिरासत में ले लिया। इधर, पहली पत्नी को जब अपने पति की दूसरी शादी का पता चला तो वह अपने तीन बच्चों एवं माता-पिता के साथ थाना पहुंच गई। थाना परिसर में ही पति के साथ हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू कर दिया। इस मामले में महिला के पति ने बताया कि करीब 15 वर्ष पूर्व हिंदू रीति रिवाज से शादी हुई थी। जिसमें एक पुत्री व दो पुत्र हैं।

# नए आपराधिक कानूनों, धाराओं और प्रक्रियाओं की जानकारी जन-जन को कराएं उपलब्ध : मुख्यमंत्री

● अचल सम्पत्ति संबंधी अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस के साथ राजस्व का अमला भी सजग और सतर्क रहे

**भोपाल (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान चुनौतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय प्रणाली को अधिक लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। सभी के लिए अधिक सुलभ, सहायक और कुशल न्याय प्रणाली सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बने इन कानूनों और नवीन प्रक्रियाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। न्याय प्रणाली से जुड़ी सभी संस्थाओं में अद्यतन व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए जन-सामान्य को नई धाराओं और प्रक्रियाओं से शीघ्र अतिशीघ्र अवगत कराने के लिए नए आपराधिक कानूनों के बारे में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन आपराधिक कानूनों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। मंत्रालय में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोटिया, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

# त्रिभुवन की निर्मिती का राज

## आत्मतत्व प्राप्त करना!

**गोपाल गावंडे**
**प्रधान संपादक**

संत हेति प्रभि त्रिभुवण धारे ।
आतमु चीनै सु ततु बीचारे ।
संचु रिदै सचु प्रेम निवास ।
प्रणवति नानक हम ता के दास॥

**गुरूनानक**

सहजयोग सरल है, सुंदर है, जिस किसी साधक को सहज योग ने अलंकृत किया उसका जीवन धन्य हो गया । उसने अपने जीवन का लक्ष्य पा लिया, परंतु यह इतना सुंदर सहजयोग लाखो में ' एक 'को मिलता है । क्यूं ? इस प्रश्न का उत्तर है , श्रध्दा का अभाव, विश्वास का अभाव ! जब तक हमारे हृदय में परमात्मा के प्रति, श्रीमाताजी के प्रति पूर्ण श्रध्दा, पूर्ण प्रेम उमडता नही, तब तक हमे आत्म साक्षात्कार प्राप्त नहीं होता ! यह आत्म साक्षात्कार पाने की पूर्ण योजना, पूर्व तयारी प्रभू परमेश्वर ने हमारे सुक्ष्म शरीर में तैयार की है । जिस प्रकार तिल में तेल, दुध दही में तुप और काष्ठ याने की लकडी मे अग्नि छुपा हुआ है, उसी प्रकार अपने हृदयरूपी संवित कमल में परमात्मा का अंश, आत्मा छुपा हुआ है, और सहजयोग में हम बडी सहजता से इसे जान सकते है, चैतन्य लहरीयों के माध्यम से अनुभूत कर सकते है । परमपूज्य श्री माताजी कहते है, अपनी आत्मा को स्थापित या प्रकाशित करने की महान शक्ती आपके अंदर है, वो है श्रध्दा । उस श्रध्दा को हृदय से जानना चाहीए और उसकी मस्ती में रहना चाहीये, उसके आनंद में आता चाहीये । ये जो श्रध्दा की आल्हाददायींनी शक्ती है , उस अल्हाद को लेते रहना चाहिये । उस खुमारी में रहना चाहीये ।

जब तक मनुष्य उस आल्हाद में पुरी तरह से घुल नही जायेगा उसके सारे कुछ भी प्रश्न है ,समस्याये है वो बनी रहेगी । मानव चित्त भ्रान्तियो से परिपूर्ण है , भ्रांतियाँ दूर होने पर चित्त ज्योर्तिमय एवं आशीर्वादित होता है । कुण्डलिनी जागृती व्दारा आपकी बहुत सी भ्रांतियाँ दूर कर दी गई है । नानक साहब अपनी 'गुरूवाणी' में कहते है, संतो के लिये प्रभू पिता परमेश्वर ने त्रिभुवनो को धारण किया है । संत वही है, जिसने आत्मा को जाना । आत्मा सत्य है , आत्मतत्व परम प्रेमास्पद है, और जिस किसी ने उस आत्मतत्व को पा लिया वो भी परम प्रेमास्पद बन जाता है । तो आईये परम प्रेमास्पद आत्मा का वरण कर ,अपने जीवन की सारी समस्याओ का समाधान प्राप्त करते है, सहजयोग सिखते है ।

# साँच को आंच नहीं..

## कोर्ट से मिली सच्चाई की जीत, पार्षद कमलेश कालरा पर लगे फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आरोप खारिज

### न्याय की जीत... विरोधियों की हार...

इंदौर। वार्ड 65 के लोकप्रिय पार्षद कमलेश कालरा ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि "सच्चाई को चाहे जितनी भी साजिशों में घेरने की कोशिश करो, अंत में जीत सच्चाई की ही होती है।" पहले ही चुनाव जीत कर जनता का विश्वास हासिल कर चुके कमलेश कालरा पर कुछ विरोधियों ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र को लेकर आरोप लगाए और मामला कोर्ट तक पहुंचाया।

समाज में खुशी की लहर- कोर्ट के इस फैसले के बाद सिंधी समाज में खुशी की लहर है। सभी ने इसे न्याय और सच्चाई की जीत बताया है।

सिंधी समाज के लोगों का कहना है कि-"यह फैसला उन लोगों के लिए करारा जवाब है जो अपने ही समाज के सच्चे सेवक के खिलाफ साजिश रचते हैं।"

कमलेश कालरा ने कहा- "हमेशा सच्चाई और ईमानदारी से जनता की सेवा करता रहूंगा। समाज का विश्वास मेरी सबसे बड़ी ताकत है।"

# सिमरोल से उठी लपटें

## डॉ. मोहन यादव का पुतला जला, अशोक सैनी के नेतृत्व में गरजा कांग्रेस का जनआक्रोश!''

### सौरभ शर्मा की जमानत पर भड़के कार्यकर्ता । 9 अप्रैल को आंदोलन की चेतावनी

**सिमरोल। विशेष रिपोर्ट**

7 अप्रैल को सिमरोल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पुतला दहन कर प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी की। कारण था बहुचर्चित परिवहन घोटाले के आरोपी सौरभ शर्मा को मिली ज़मानत, जिसे कांग्रेस ने "न्याय की हत्या" करार दिया। इस ज़बरदस्त विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री अशोक सैनी, जिन्होंने गरजते हुए कहाः "अगर डॉ. मोहन यादव भ्रष्टाचार को संरक्षण देंगे, तो कांग्रेस 9 अप्रैल को सड़कों पर उतरकर जवाब देगी!"

प्रदर्शन की प्रमुख बातेंः

7 अप्रैलः सिमरोल में मुख्यमंत्री का पुतला जलाया गया

तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया

9 अप्रैलः ब्लॉक स्तर पर चक्का जाम और तीव्र आंदोलन की चेतावनी दी गई-जमकर गरजे ये कांग्रेस कार्यकर्ताः

दिनेश सिलवाडिया, मनोहर सर्दियां, राकेश पाटीदार, शेखर सोलंकी, मुकेश बुंदेला, नकुल सेन, कमलेश राठौर, आलोक, बुरु भाई, राजेश पाटीदार, शेखर बुंदेला और राजेश वर्मा भी भारी संख्या में मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के नेतृत्व में चल रहे इस प्रदेशव्यापी आंदोलन की शुरुआत सिमरोल से ज़ोरदार हुई है, और अब ये पूरे मालवा में फैलता दिखाई दे रहा है। जनता की आवाज़ सीधी हैः "अगर सत्ता नहीं जागी, तो अब सड़कों पर जवाब मिलेगा!"

# रामनवमी पर कन्या पूजन कर किया विशाल भंडारा

**ऋषि गोस्वामी**

शिवपुरी। रामनवमी के शुभ अवसर पर गुरुद्वारे पर एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे को सुबह 9 बजे से कन्या पूजन कर शुरू किया गया और देर शाम तक चला। बताया जा रहा है कि यह भंडारा अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता राकेश गर्ग टिल्लू भैया भटनावर वालों द्वारा आयोजित किया गया है ।समाज सेवा के कार्यों में सदैव अग्रणी महाराजा अग्रसेन परमार्थ सेवा समिति मध्यप्रदेश शिवपुरी द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी, राकेश गर्ग (टिल्लू भैया के सौजन्य से रामनवमी के शुभ अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें प्रातः 9.00 बजे से कन्या पूजन एवं 10 बजे से भंडारे का

आयोजन रखा गया आपको बता दें राकेश गर्ग बीजेपी टिल्लू द्वारा हर साल कराया जाता है जिसमें गुरुद्वारा चौक पर पूरा शहर एकत्रित होता है और वही सभी प्रभु राम भक्त हजारों की संख्या में प्रसाद का ग्रहण किया जाता है। राकेश गर्ग ने बताया कि भंडारा सुबह से शुरू होकर देर रात तक चलता है,यह 11 क्विंटल आटे का भंडारा होता है। यह भण्डारा कई सालों से चलात आ रहा है । इस भंडारे में पूड़ी आलू की सब्जी कद्दू की भुर्जी नमकीन सेव और मीठे में बूंदी का वितरण किया जाता है। प्रभु की कृपा से इस भंडारे में हजारो लोग प्रसाद ग्रहण करते है। इस भंडारे को बनाने के लिए एक दिन पूर्व ही तैयारियां शुरू करी जाती है इस अवसर पर सबने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया भंडारे में मौजूद रहे शिवपुरी जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव पोहरी विधायक कैलाश कुशवाहा हरवीर रघुवंशी सीमा शिवारे ।

# पिछोर विधायक के भाई स्व. वीरेंद्र लोधी जी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा मनाई

**जगदीश पाल**

पिछोर (शिवपुरी) गतदिवस 20 मार्च 2025 को पिछोर क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह लोधी के छोटे भाई स्वर्गीय वीरेंद्र लोधी अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके ईश्वर के चरणों में लीन हो गए हैं उनके शोक संवेदना को लेकर के पिछोर क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी,नेताओं,पत्रकारों,तथा सामाजसेवी लोगों ने पिछोर में 07अप्रैल सोमवार को दोपहर 12:00 से 2:00 तक रेस्ट हाउस डाक बंगला पर एक श्रद्धांजलि सभा मनाई गई! श्रद्धांजलि सभा के दौरान विधायक प्रीतम सिंह लोधी उपस्थित थे इस दौरान प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत, पूर्व जिला अध्यक्ष राजू बाथम,सुशील रघुवंशी, पूर्व मंत्री भैयासाहब लोधी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित पड़ेरिया, मंडल अध्यक्ष राहुल रहोरा, विवेक यादव,रामकुमार यादव, रमाकांत शर्मा,कृष्ण बिहारी गुप्ता, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष पंडित रमेश शर्मा, रामकृष्ण पाराशर, विधायक प्रतिनिधि सुनील लोधी, मुकेश पंसारी, आशीष चौधरी, रंजीत रहोरा, करण सिंह लोधी, रमाकांत पाठक,पिछड़ाबर्ग कार्य समिति सदस्य अशोक यादव, महिला मोर्चा में जिला मंत्री राजकुमारी लोधी, नगर पंचायत पार्षद पूनम सोनी, आरती शर्मा, सहित कई भाजपा कार्यकर्ता तथा पदाधिकारीगण उपस्थित थे!

# इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इंदौर शाखा

कार्यक्रम की शुरुआत शहर के तीन प्रमुख मेडिकल कॉलेज इंडेक्स मेडिकल कॉलेज, अरविंदो मेडिकल कॉलेज एवं एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज के लगभग 70 मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान के साथ हुई। इन विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं मेडल प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इसके पश्चात प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. भरत रावत ने "स्वस्थ एवं स्वच्छ जीवन" विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने जीवनशैली से संबंधित महत्वपूर्ण सुझावों पर विस्तार से चर्चा की। निवर्तमान अध्यक्ष द्वारा संगठन की वर्षभर की उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात सचिव डॉ. अक्षत पांडे द्वारा सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इंदौर शाखा की गतिविधियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। चिकित्सा क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले डी.एस. राव अवार्ड डॉ. भरत रावत,लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड डॉ. सतीश शुक्ला,आईएमए मिड लाइफटाइम अचीवमेंट (अशोक माहेश्वरी अवार्ड) डॉ. सुनील राजन, आईएमए आउटस्टैंडिंग मेंबर अवार्ड डॉ. अंकुर अग्रवाल एवं डॉ. आशा बक्शी, आईएमए एक्सेमप्लेरी सोशल सर्विस (मुरलीधर गुप्ता अवार्ड) डॉ. सुनंदा जैन, रीजनल एक्सेमप्लेरी वर्क अवार्ड डॉ. राजेंद्र एरन,डॉ. एस.एन. गोयल डायनामिक लीडर अवार्ड डॉ. अजय पारीक एवं डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत को सम्मानित किया महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पूर्व कार्यकारिणी के सदस्यों का सम्मान कर स्मृति चिन्ह भेंट किए तथा नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इंदौर की नई कार्यकारिणी अध्यक्ष डॉ. वल्लभ मूंदड़ा,उपाध्यक्ष डॉ. सौरभ मालवीय एवं डॉ. सुनीता हरलालका, मानव सचिव डॉ. सुनील बांठिया, सचिव डॉ. राजकुमार सिसोदिया, सह-सचिव डॉ. जितेंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार जैन,क्लीनिकल सेक्रेटरी डॉ. रवि दोषी,संपादक डॉ. रूपेश मोदी, जॉइंट डायरेक्टर डॉ. राकेश जैन,जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. हेमेन्द्र सिंह खींची, कार्यकारिणी सदस्यगण डॉ. ज्योति बंगलोवाला, डॉ. सोनाली मित्तल, डॉ. विवेक अग्निहोत्री, डॉ. राहुल माथुर, डॉ. प्रणव महाजन, डॉ. दीपक गवली, डॉ. ऋषभ श्रीवास्तव, डॉ. रमन शर्मा, डॉ. कमलजीत सभरवाल, डॉ. धवल बक्षी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इंदौर के वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्य डॉ. निर्मल लखोटिया, डॉ. नटवर शारदा, डॉ. सतीश जोशी एवं डॉ. अनिल भदौरिया ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। महापौर भार्गव ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना करते हुए "स्वस्थ इंदौर" के लक्ष्य में सहभागिता हेतु नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने "एक देश, एक चुनाव" के समर्थन में I इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इंदौर शाखा से समर्थन पत्र राष्ट्रपति को प्रेषित करने का अनुरोध किया, जिसे सदन द्वारा ध्वनि मत से पारित किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. सुनील बांठिया द्वारा आभार प्रदर्शन एवं उपस्थितजनों को रात्रि भोज हेतु आमंत्रण के साथ किया गया

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

# गुना में BJP कार्यालय निर्माण को लेकर अतिक्रमण हटाया गया

## PWD कर्मचारी का मकान भी ढहा, दिग्विजय सिंह ने उठाए सवाल

**गुना।** जिले के नानाखेड़ी इलाके में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी को आवंटित जमीन पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान 33 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र से कब्जा हटाया गया, जिसमें वरिष्ठ कर्मचारी देवीलाल बारेला का मकान भी शामिल था। प्रशासन की इस कार्रवाई में 150 पुलिसकर्मी और 50 से अधिक राजस्व अधिकारी मौजूद रहे। कार्रवाई के दौरान महिलाओं ने विरोध किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। इस जमीन पर भाजपा का नया और भव्य जिला कार्यालय बनाया जाना है। एक सप्ताह पहले ही इस जमीन की रजिस्ट्री भाजपा के नाम हुई थी, जिसके बाद जिला प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस बीच, कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने इस कार्रवाई को लेकर प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गरीब और आदिवासी परिवारों को उजाड़ने से पहले उन्हें वैकल्पिक जमीन और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सहायता मिलनी चाहिए थी।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि प्रशासन ने बगल में बने एक पीएम आवास को नहीं तोड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार का कहना है कि कार्यालय का निर्माण पार्टी की प्राथमिकता है और इस दिशा में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं विपक्ष इसे गरीबों के साथ अन्याय बता रहा है।

## भाजपा नेत्री नाजिया इलाही का ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पर बड़ा बयान, कहा - हथौड़ा चलाकर ताला मारेंगे, चाबी गंगा में फेंक दूंगी

**खंडवा।** मध्य प्रदेश की भाजपा प्रवक्ता और फायर ब्रांड नेत्री नाजिया इलाही खान ने एक बार फिर अपने तीखे और विवादास्पद बयान से सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। खंडवा के ओंकारेश्वर मंदिर में दर्शन के दौरान नाजिया ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) पर सीधा हमला बोला और कहा कि देश में अंबेडकर के बनाए संविधान से इतर कोई कानून नहीं चलेगा। नाजिया ने कहा - बहुत जल्द ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पर हथौड़ा चलाएंगे, उसके दरवाजे पर ताला लगाकर चाबी गंगा नदी में फेंक दूंगी। देश भीमराव अंबेडकर के संविधान से चलता है, किसी के पर्सनल लॉ की इसमें कोई जगह नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि ये देश किसी के बाप की जागीर नहीं है, यहां सिर्फ और सिर्फ संविधान चलेगा, पर्सनल लॉ नहीं। नाजिया ने अपने बयान में AIMPLB के अस्तित्व पर सवाल खड़े किए और इसे देश की एकता और संविधान के विरुद्ध बताया। खंडवा के ओंकारेश्वर पहुंची नाजिया ने बताया कि वे मंदिर में परिक्रमा करने आई हैं और उन्होंने भगवान से प्रार्थना की है कि जैसे वक्फ बोर्ड की सच्चाई सामने आई है, वैसे ही अब मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का पर्दाफाश हो और उसका अंत हो। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने राम मंदिर का प्रसाद खाया है और परिक्रमा के बाद दूसरी मन्नत मांगी है ÷कि मैं खुद उस बोर्ड के दरवाजे पर ताला लगाऊं। नाजिया ने दोहराया कि भारत का संविधान सर्वोपरि है और कोई भी पर्सनल लॉ या धार्मिक कानून इसके ऊपर नहीं हो सकता। उन्होंने मुस्लिम समाज में समान नागरिक संहिता की वकालत करते हुए AIMPLB को बाधक करार दिया।

**राजनीतिक गलियारों में गरमाई बहस:** नाजिया इलाही के इस बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में गर्मी बढ़ गई है। एक तरफ भाजपा समर्थक इसे संविधान की रक्षा के लिए उठी आवाज बता रहे हैं, तो वहीं कई मुस्लिम संगठनों ने इसे भड़काऊ और समाज को बांटने वाला बयान बताया है। नाजिया के इस बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा आने वाले समय में यूनिफॉर्म सिविल कोड और धार्मिक बोर्डों के खिलाफ मुखर अभियान की ओर बढ़ सकती है। अब देखना होगा कि इस पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया क्या होती है।

# 1 मई से पूरी तरह ऑनलाइन होगा भोपाल कलेक्टोरेट

### अधिकारियों को ई-ऑफिस सेटअप तैयार करने के निर्देश, फाइलों का ऑनलाइन अप्रूवल ही मिलेगा

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार को बैठक लेकर 1 मई को कलेक्टोरेट में ई-ऑफिस सिस्टम लागू करने की बात कही। भोपाल का कलेक्टोरेट 1 मई से ई-ऑफिस हो जाएगा। फाइलों का अप्रूवल ऑनलाइन ही मिलेगा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सभी विभाग के अधिकारियों को ई-ऑफिस सेटअप तैयार करने को कहा है।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि 1 मई से कोई भी फाइल ऑफलाइन नहीं चलेगी। वे भी ऑनलाइन ही अप्रूवल देंगे। वहीं, संबंधित विभाग ई-ऑफिस पोर्टल के जरिए ही फाइलें वरिष्ठ अधिकारियों के पास भेजेंगे। इसके लिए कलेक्टोरेट, जिला पंचायत, नगर निगम आदि ऑफिसों में फाइलों का डेटा बैंक बनाया गया है। एडीएम, एसडीएम और तहसीलदारों की फाइलें भी ऑनलाइन ही चलेगी।सोमवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने जिले के अधिकारियों की बैठक ली।

**फाइल की हॉर्ड कॉपी मंजूर नहीं होगी-** कलेक्टर सिंह ने सोमवार को समयावधि बैठक में अफसरों से कहा कि एक मई से किसी भी फाइल की हार्ड कॉपी स्वीकार नहीं की जाएगी।

**अस्पताल, कोचिंग का फायर ऑडिट होगा-** कलेक्टर ने भोपाल के सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल, पटाखों की दुकान एवं अन्य संस्थानों का फायर ऑडिट करने को कहा है। वहीं, जिले में समग्र आईडी को आधार से लिंक कराने के कार्य में गति लाने को कहा। एसडीएम को अवैध खनन एवं अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी एडीएम को एसडीएम कोर्ट एवं एसडीएम को तहसीलदार कोर्ट का निरीक्षण करने आदेशित किया गया।

**सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में नाराजगी-** कलेक्टर सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए नाराजगी व्यक्त की। कहा कि 50 दिवस से अधिक लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की प्रतिदिन समीक्षा कर शिकायतों का निराकरण करें। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जनभागीदारी के माध्यम से जिले की नदी, तालाब, जल संरचनाओं का संरक्षण एवं संवर्धन को गंभीरतापूर्वक लेते हुए समस्त संबंधित विभागों की आगामी एक महीने का प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

# पटाखा फैक्ट्री हादसे के पीड़ितों से मिले कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, सरकार की संवेदनहीनता पर उठाए सवाल, बोले -सीएम क्यों नहीं पहुंचे शोक व्यक्त करने?

**देवास/खातेगांव।** गुजरात के बनासकांठा जिले में हुई पटाखा फैक्ट्री दुर्घटना ने मध्यप्रदेश के कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। इस दर्दनाक हादसे में प्रदेश के खातेगांव और संदलपुर क्षेत्र के कई मजदूरों की मौत हो गई थी। अब इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों से मिलने मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी स्वयं खातेगांव पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर संवेदना प्रकट की और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। खातेगांव के बाद पटवारी संदलपुर भी पहुंचे, जहां इस भीषण हादसे में एक ही गांव के दो परिवारों के नौ सदस्यों की जान चली गई थी। उनके साथ पूर्व विधायक कैलाश कुंडल, स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल था।

**सरकार पर बरसे पटवारी, कहा - मुख्यमंत्री ने अब तक संवेदना तक नहीं जताई:** जीतू पटवारी ने घटना को बेहद दुखद बताते हुए प्रदेश सरकार की संवेदनहीनता पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा ङ्क ÷इतना बड़ा हादसा हो गया, 20 से अधिक परिवार उजड़ गए, लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री आज तक पीड़ितों से मिलने तक नहीं पहुंचे। न संवेदना जताई, न मदद की कोई स्पष्ट योजना सामने आई है। क्या यही है आपकी संवेदनशीलता?÷ उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदेश के गरीब मजदूर, जिनके बच्चे स्कूल जाने की उम्र में पटाखा फैक्ट्री में काम करने को

मजबूर हैं, वे अगर जान गंवा दें, तो सरकार को कोई फर्क क्यों नहीं पड़ता?

**पलायन को बताया सबसे बड़ी विफलता, बच्चों के भविष्य पर जताई चिंता:** पटवारी ने कहा कि सरकार को सिर्फ मुआवजे की घोषणा कर देने से काम नहीं चलेगा, सबसे पहले यह समझना होगा कि मजदूरों को पलायन करने की नौबत क्यों आती है। ÷आपने कैसा प्रदेश बनाया है जहाँ मासूम बच्चों को शिक्षा की जगह फैक्ट्रियों में धकेला जा रहा है? पलायन रोकना सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए,÷ उन्होंने कहा। हादसे की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और जिनके कारण मजदूरों को जान गंवानी पड़ी, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो। साथ ही पीड़ित परिवारों को घोषित सहायता राशि जल्द से जल्द प्रदान की जाए और उनके पुनर्वास की पुख्ता योजना बनाई जाए।

**ग्रामीणों का दर्द सुन भावुक हुए पटवारी:** संदलपुर में जब पटवारी मृतकों के घर पहुंचे तो कुछ महिलाएं फूट-फूटकर रोने लगीं। गांव के बुजुर्गों ने कहा कि ऐसा दर्द पहले कभी नहीं देखा। पटवारी भी इस दौरान भावुक हो गए और परिवारों को ढाढ़स बंधाया। यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, एक सामाजिक त्रासदी है जिसने पलायन, बाल श्रमिक, और प्रशासन की विफलताओं को एक साथ उजागर कर दिया है। कांग्रेस ने अब इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरने का संकेत दिया है।

# संत प्रज्ज्वलित दीपक की तरह होते है उनके संपर्क में आने से हम ज्योतिर्मय हो जाते है - देवी चित्रलेखा जी

मेघनगर 1 " जाति पाति पूछे ना कोई , हरि को भजै सो हरि का होई " कल्याण किसी वस्तु की प्राप्ति का नही होता है भगवान की कथा सुनने का भाव मन मे होना ही कल्याण कहलाता है श्रीमद भागवत सबका कल्याण करने वाली कथा है ।भगवान की कथा करने वाले कि डिग्री नही देखी जाती है उसका भाव देखा जाता है 1 संत दीपक के समान होता है और हम बुझे हुए दीपक है संतो को सुनने और उनके पास जाने से हम दीपक की तरह प्रज्ज्वलित हो जाते हैं यदि आप शक्ल से नही भी सुँदर है तो स्वभाव से सुँदर रहे 1 भगवान की कथा करने वाले कि डिग्री नही देखी जाती है उसका भाव देखा जाता है 1 उपरोक्त महत्वपूर्ण संदेश मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्रीवनेश्वर मारुति नंदन हनुमान मंदिर पर देवी चित्रलेखा जी के द्वारा सुनाई जा रही श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन उन्होंने व्याससपीठ से दिये 1 कथा का प्रारंभ श्रीमद भागवत की महाआरती से की गयी 1 महाआरती मध्य प्रदेश के यशस्वी समाजसेवी श्रीसुरेश चंद्र पूरणमल श्रीमती सीमा सुरेश चंद्र पूरणमल जैन राजेश रिंकू जैन जैकी जैन मंदिर के महंत दिलीपदास जी महाराज रामदास जी त्यागी टाट वाले बाबा द्वारा की गयी 1 कथा के श्रवण के लिएँ ग्रामीण अँचलों से भारी संख्या में महिलाएँ पहुँच रही है 1 आयोजन समिति के सभी सदस्यों ने प्रतिदिन सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक कथा सुनने आने के लिए आग्रह किया है 1

## दुआ के जन्म के बाद पहली बार एक साथ
### स्क्रीन पर दिखे दीपिका-रणवीर

बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा जोड़ी में से एक दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपनी बेटी दुआ के जन्म के बाद पहली बार स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आए। दीपिका और रणवीर एक एयर कंडीशनर के विज्ञापन में साथ नजर आए। विज्ञापन को शेयर करते हुए ब्रांड ने लिखा, गुड लुक्स, गुड लुक्स और गुड लुक्स। विज्ञापन में रणवीर कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि कैसे उनकी पार्टी में मेहमान दीपिका के खाने या कहानियों के बजाय उनके एयर कंडीशनर का आनंद ले रहे थे। जब दीपिका नाराज होती हैं तो रणवीर उन्हें यह कहकर मना लेते हैं कि उन्होंने वास्तव में उनके लिए ही एसी खरीदा था। दीपिका और रणवीर को आखिरी बार रोहित शेट्टी की पुलिस सिंघम अगेन में एक साथ देखा गया था। इस फिल्म में दीपिका ने शक्ति शेट्टी उर्फ ??लेडी सिंघम का किरदार निभाया था, जबकि रणवीर ने सिम्बा की अपनी भूमिका दोहराई थी। इस फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, करीना कपूर, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ भी थे। इससे पहले इन दोनों को गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013), बाजीराव मस्तानी (2015), पद्मावत (2018) और 83 (2021) में साथ देखा गया था।

## तारा सुतारिया ने सीफूड सैटरडे का लुत्फ उठाया

**बॉलीवुड** अभिनेत्री तारा सुतारिया ने अपने घर पर सीफूड सैटरडे का लुत्फ उठाया। सप्ताहांत के लिए मेन्यू में जेरेश्क बेरीज के साथ पुलाव के बिस्तर पर परोसा गया मेमना, बटरी गार्लिक क्रैब और प्रॉन कॉकटेल, स्ट्रॉबेरी, अखरोट, रॉकेट/अरुगुला सलाद के साथ हनी बाल्समिक ड्रेसिंग और चेरी टमाटर, नींबू, लहसुन, मसालेदार एंकोवी पेस्ट के साथ प्रॉन स्पेगेटी शामिल थे। तारा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, घर पर शनिवार को मैंने बहुत सारा बटरी गार्लिक क्रैब और प्रॉन कॉकटेल पकाया (तस्वीर में नहीं है क्योंकि हमने इसे किसी के फोटो खींचने से पहले ही खा लिया!) स्ट्रॉबेरी, अखरोट, रॉकेट/अरुगुला सलाद शहद बाल्समिक ड्रेसिंग के साथ और पिया ने चेरी टमाटर, नींबू, लहसुन, मसालेदार एंकोवी पेस्ट के साथ एक प्यारा प्रॉन स्पेगेटी बनाया! सीफूड और हमारे सबसे पुराने दोस्तों के साथ शानदार व्हाइट ग्लास... इससे ज्यादा और क्या चाहिए। अभिनेत्री ने कहा, आखिरी तस्वीर में मैंने पहली बार पकाए गए लैम का एक बेहतरीन लेग पीस दिखाया है। जेरेश्क बेरीज के साथ पुलाव की परत पर परोसा गया, यह लाजवाब था। इससे पहले, तारा ने खुशी के बारे में अपने विचार बताए। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें वह काले और सफेद धारीदार नाइट सूट में मस्ती करती नजर आ रही थीं। इस स्टनर ने 80 के दशक के सिंथ-पॉप ट्रैक पर शानदार लिप-सिंक किया। उनकी पोस्ट का शीर्षक था, अपने पुराने दोस्तों के साथ अपने पीजे में बैठकर 80 के दशक के अपने पसंदीदा गाने बजाने जैसा कुछ नहीं... बहुत ही आनंददायक!!!! (यदि आप इंट्रो पर लिप सिंक नहीं करते हैं तो हम दोस्त नहीं बन सकते!!!) अपने काम के बारे में बात करते हुए, तारा हाल ही में ईशान खट्टर के साथ रोमांटिक ट्रैक प्यार आता है में नजर आईं। स्नेहा शेट्टी कोहली द्वारा निर्देशित, इस मधुर गीत को श्रेया घोषाल ने रीतो रीबा के साथ मिलकर आवाज दी है। प्यार आता है की शूटिंग कश्मीर के पहलगाम में माइनस 10 डिग्री तापमान में की गई थी।

## 'इंडियन आइडल 15' की ट्रॉफी मानसी घोष के नाम
### जीतने पर मिली चमचमाती कार

'इंडियन आइडल सीजन 15' की ट्रॉफी मानसी घोष ने उठा ली है। रविवार 6 अप्रैल को इसका फाइनल हुआ। प्रतियोगियों ने अपनी आखिरी परफॉर्मेंस दी। मानसी के जीत की घोषणा इंडियन आइडल के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर भी की गई।

### मानसी घोष को दी बधाई

इंडियन आइडल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर विजेती की घोषणा करते हुए उन्हें बधाई दी। ट्वीट में लिखा, 'इंडियन आइडल सीजन 15 जीतने पर मानसी घोष को बहुत-बहुत बधाई! क्या आवाज है, क्या सफर है! वाकई काबिल-ए-तारीफ आपने हर प्रदर्शन को यादगार बनाया।'

सुभाजीत और स्नेहा शंकर को दी मात

मानसी ने अपनी भावनात्मक और दमदार गायकी के दम पर साथी फाइनलिस्ट सुभाजीत चक्रवर्ती और स्नेहा शंकर को हराया। उनके लगातार प्रदर्शन और दर्शकों से जुड़ने की क्षमता ने उन्हें शीर्ष स्थान हासिल करने में मदद की। शो जीतने पर उन्हें एक नई कार भी मिली।

### 'इंडियन आइडल सीजन 15' का सफर

'इंडियन आइडल सीजन 15' अक्टूबर 2024 में शुरू हुआ और पांच महीने तक चला। इस दौरान शो में कई प्रतियोगियों ने अपने सुरों के जादू बिखेरे।

## कपिल शर्मा ने 'राम नवमी' पर शेयर किया 'किस किसको प्यार करूं 2' का नया पोस्टर

**अभिनेता-कॉमेडियन** कपिल शर्मा ने रविवार को अपनी आने वाली फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' का नया पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में कपिल शर्मा और उनकी दुल्हन बनी को-एक्टर मंडप में दिखाई दे रही हैं। दोनों अपने हाथ जोड़कर प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री का आधा चेहरा घूंघट से ढका हुआ है, जबकि कपिल ऊपर भगवान की ओर देख रहे हैं। ऐसा लगता है जैसे वह किसी मुश्किल स्थिति से बाहर निकलने के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे हों। पोस्टर में जहां कपिल के चेहरे पर तनाव दिख रहा है, वहीं अभिनेत्री के चेहरे की रेखाएं सुखद भावनाओं की ओर इशारा कर रही हैं। कपिल ने कैप्शन में लिखा, आप सभी को श्री राम नवमी की शुभकामनाएं। आखिरी बार कपिल शर्मा फिल्म 'क्रू' में कैमियो करते नजर आए थे। इस फिल्म में करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन भी थीं। 2015 में 'किस किसको प्यार करूं' का निर्देशन करने वाली निर्देशक जोड़ी अब्बास-मस्तान ने इस बार लेखक अनुकूल गोस्वामी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। अनुकूल ने पहली फिल्म में लेखन क्रेडिट साझा किया था और द कपिल शर्मा शो में कपिल के साथ काम किया है। अब्बास-मस्तान, रतन जैन और गणेश जैन को निर्माता के रूप में क्रेडिट दिया गया है। पिछले साल दिसंबर में कपिल ने अपने स्ट्रीमिंग स्केच कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' पर निर्माता-निर्देशक एटली का अपमान करने के आरोपों का जवाब दिया था। शो के इस एपिसोड में एटली, बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और अभिनेत्री वामिका गब्बी शामिल थे, जिसमें कपिल द्वारा एटली के लुक का कथित तौर पर मजाक उड़ाए जाने पर हंगामा हुआ था।

# सनातन धर्म और संस्कृति को सुदृढ़ करना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होना चाहिए- विजयवर्गीय

### दशहरा मैदान पर चल रहे 'सबके राम' महोत्सव का समापन- आयोजन से जुड़े कार्यकर्ताओं का सम्मान- किन्नरों ने भी की आरती

**इंदौर**

सनातन धर्म और संस्कृति के रास्ते पर चलकर ही परिवार, समाज और राष्ट्र की विकास की गति को मजबूती मिल सकती है। वर्तमान में सनातन धर्म को सुदृढ़ करना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होना चाहिए। 'सबके राम' जैसे महोत्सव समाज को चैतन्य और ऊर्जावान बनाते हैं। इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन निरंतर चलते रहना चाहिए। समाज में नई पीढ़ी को संस्कारों की दृष्टि से समृद्ध बनाने में सनातन धर्म की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दशहरा मैदान स्थित अवध लोक पर चल रहे 'सबके राम' महोत्सव के सम्मान समारोह में उक्त प्रेरक बातें कही। 'सबके राम' लोक कल्याण समिति के संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान एवं श्रीमती प्रवीणा पंकज अग्निहोत्री ने बताया कि महपौर पुष्यमित्र भार्गव, भाजयुमो नेता गंगा पांडे, नगर निगम के पूर्व सभापति कैलाश शर्मा, राजेन्द्र चौधरी, शुभेन्द्रसिंह गौड़ और अन्य श्रद्धालुओं ने भी इस मौके पर मैदान पर निर्मित रामलला मंदिर में महाआरती में शामिल होकर आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का सम्मान किया। गत 30 मार्च से चल रहे इस महोत्सव में शहर के हर वर्ग ने शामिल होकर अपनी उत्साहपूर्ण भागीदारी दर्ज कराई। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि प्रभु श्रीराम के दर्शन, पूजन एवं अर्चना से समाज और आम जनमानस में सुख, शांति और सदभाव के साथ समृद्धि की ऊर्जा भी व्याप्त होती है। यह पावन आयोजन न केवल भक्ति की गहराई को दर्शाता है, बल्कि समाज में समरसता और एकता का संदेश भी देता है।

### किन्नरों ने की आरती

रविवार रात को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में रामायण मंचन का अनूठा आयोजन शाम्भवी तिवारी एवं रंजना नामजोशी की टीम द्वारा किया गया। 5 हजार से अधिक दर्शकों ने रात 11 बजे तक इस अनूठी प्रस्तुति का आनंद उठाया। अतिथियों कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इसके पूर्व शहर एवं आसपास के कस्बों से आए किन्नर समाज के 35 सदस्यों ने भी दशहरा मैदान पहुंचकर सबके राम महोत्सव में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। किन्नर समुदाय की ओर से सोनम गुरू, काजल गुरू एवं अन्नपूर्णा तथा शहर के अन्य क्षेत्रों में रहने वाले किन्नर भी इस महोत्सव की आरती में शामिल हुए और आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं समर्पित की। मंत्री विजयवर्गीय एवं महापौर ने आयोजन से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया। आयोजन समिति की ओर से संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान एवं प्रवीणा पंकज अग्निहोत्री ने भी विजयवर्गीय एवं महापौर को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

**आईपीएल 2025:**

# सिराज के 100 विकेट पूरे, जहीर खान की बराबरी, तोड़ सकते हैं नेहरा का रिकॉर्ड

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने आईपीएल करियर में 100 विकेट पूरे कर लिए। वह ऐसा करने वाले 12वें भारतीय तेज गेंदबाज हैं। इसी के साथ ही सिराज ने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान के 102 विकेट की बराबरी कर ली है। सिराज ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी मिला। सिराज आगे इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो वह पूर्व भारतीय गेंदबाज और गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा के 106 विकेट का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे।

जहीर खान ने अपने आईपीएल करियर में कुल 100 मैच खेले और 102 विकेट लिए। वहीं, आशीष नेहरा ने आईपीएल करियर में 88 मैच खेले और 106 विकेट लिए। सिराज अगर आने वाले मैचों में चार विकेट लेते हैं तो वह नेहरा से आगे निकल जाएंगे। मोहम्मद सिराज ने 97 मैच में 102 विकेट लिए हैं। पिछले सीजन में आरसीबी के प्रमुख गेंदबाज के तौर पर खेलने वाले सिराज इस साल गुजरात टाइटंस के लिए गेंदबाजी कर रहे हैं। सिराज ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 ओवर में 17 रन देकर चार विकेट झटके और सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। सिराज की इस शानदार गेंदबाजी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज ज्यादा बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर पाए और गुजरात टाइटंस ने 7 विकेट से मैच जीत लिया। इस बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत सिराज आईपीएल 2025 के पर्पल कैप की रेस में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। सिराज ने चार मैच की चार पारियों में 9 विकेट चटकाए। सर्वेश्रेष्ठ प्रदर्शन 17 रन देकर चार विकेट रहा है। उनसे ऊपर सीएसके के गेंदबाज नूर अहमद हैं। नूर ने 4 मैच की चार पारियों में 10 विकेट लिए। सिराज जिस तरह से आईपीएल में गेंदबाजी कर रहे हैं उनके फैंस को उम्मीद है कि वह जल्द ही पर्पल कैप की रेस में पहले पायदान पर पहुंच जाएंगे। बता दें कि गुजरात टाइटंस को अपना अगला मैच 9 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है।

# 11 साल की उम्र में 55 किलो वजन, वेट कम करने के लिए शुरू की बॉक्सिंग, हितेश ने लगा दी मेडलों की झड़ी

**चंडीगढ, एजेंसी।** हरियाणा के झज्जर के 20 साल के बॉक्सर हितेश गुलिया ने ब्राजील में पहली बार हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में भारत के लिए 70 किग्रा भार वर्ग में पहला स्वर्ण पदक जीता है। हितेश का बचपन में ज्यादा वजन होने की वजह से बॉक्सिंग शुरू की थी। 14 अक्टूबर 2014 को झज्जर के जिला स्टेडियम में वजन कम करने की मंशा से बॉक्सिंग रिंग में उतरे 11 वर्षीय बच्चे ने विश्व पटल पर देश और हरियाणा का नाम रोशन कर दिया है। झज्जर के गांव जहांगीरपुर निवासी 20 वर्षीय हितेश गुलिया ने ब्राजील में पहली बार आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में भारत के लिए 70 किग्रा भार वर्ग में पहला स्वर्ण पदक जीता है। 15 जनवरी 2022 को भारतीय नौसेना ज्वॉइन करने के बाद हितेश सर्विसेज की टीम के स्टार मुक्केबाज हैं। सेना में जाने से पहले हितेश के कोच रहे हितेश देसवाल ने बताया कि हितेश के पिता सत्यवान गुलिया पेशे



से ठेकेदार हैं। हितेश अपने चार भाई बहनों में सबसे छोटे हैं। 11 वर्ष की उम्र में हितेश का वजन 55 किग्रा से ज्यादा था। इसी को कम करने की मंशा से पिता ने हितेश को उनकी निगरानी में बॉक्सिंग के रिंग में उतारा था। वर्ष 2014 में महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम झज्जर में हितेश ने मुक्केबाजी में अपना भविष्य संवारने के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी।

## रिंग में अच्छे प्रदर्शन से माता-पिता का बढ़ा हौसला

कोच हितेश देसवाल ने बताया कि हितेश के रिंग में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने से उसके माता-पिता को भी प्रोत्साहन मिला। हितेश स्कूल नेशनल चैंपियन और तीन बार स्टेट चैंपियन भी रहे। वर्ष 2022 में नौसेना में भर्ती होने के बाद ऑल इंडिया सर्विसेज प्रतियोगिता में भाग लेकर कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं व वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स में पदक जीते हैं।

# आज सीएसके को मिलेगी पंजाब से कड़ी चुनौती, धोनी की मौजूदगी से प्रभावित हो रहा संतुलन

**मुल्लांपुर (एजेंसी)।** चेन्नई सुपरकिंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच से पूर्व जिस सबसे बड़ी समस्या का हल खोजना होगा वह महेंद्र सिंह धोनी की डेथ ओवरों में बड़े




शॉट खेलने में नाकामी है। सुपरकिंग्स ने आईपीएल सत्र की अपनी सबसे खराब शुरुआत में से एक करते हुए लगातार तीन मैच गंवाए हैं और वह भी लक्ष्य का पीछा करते हुए।

पंजाब किंग्स को अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा था लेकिन मौजूदा फॉर्म के साथ कागजों पर श्रेयस अय्यर की टीम सुपरकिंग्स की तुलना में अधिक मजबूत दिख रही है। सुपरकिंग्स की टीम संयोजन की समस्या से जूझ रही है। अंतिम ओवरों में धोनी की मौजूदगी को एक समय वरदान माना जाता था लेकिन अब यह 'येलो ब्रिगेड' के लिए अभिशाप बन रही है।

# कराटे वर्ल्ड कप रूस-2025 में बिहार की अनुष्का अभिषेक ने रचा इतिहास, भारत को दिलाया सिल्वर मेडल

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** अनुष्का की इस ऐतिहासिक जीत पर इंडिया जेन टू शीन कराटे फेडरेशन की सेंडाई शिल्पी सोनम ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि भारत की बेटियां आज विदेशी खेल मंचों पर भी परचम लहरा रही हैं। रूस की राजधानी मॉस्को में आयोजित कराटे वर्ल्ड कप-



2025 में भारत की ओर से हिस्सा ले रहीं बिहार के मुजफ्फरपुर की 13 वर्षीय अनुष्का अभिषेक ने शानदार प्रदर्शन कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। मास्को के विमपेल स्टेडियम में चार से आठ अप्रैल तक चले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अनुष्का ने अपनी प्रतिभा और साहस से सबका ध्यान खींचा।

**वर्ल्ड कप में दमदार प्रदर्शन, फाइनल में रूस से हारीं अनुष्का:** अनुष्का ने टूर्नामेंट में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। उन्होंने पहले ताजिकिस्तान, फिर उज्बेकिस्तान और इसके बाद अर्मेनिया की प्रतिभागियों को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में उन्होंने मॉरिशस की खिलाड़ी को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला मेजबान देश रूस की खिलाड़ी से हुआ। फाइनल में अनुष्का ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंत में महज तीन अंकों से हार गईं और सिल्वर मेडल के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। इस प्रदर्शन ने भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर एक बार फिर रोशन कर दिया।

**बचपन से रहा खेल के प्रति जुनून**

मुजफ्फरपुर की रहने वाली अनुष्का अभिषेक की सफलता की कहानी जितनी प्रेरणादायक है, उतनी ही संघर्षपूर्ण भी रही है। आमतौर पर इस उम्र में बच्चे केवल पढ़ाई पर ध्यान देते हैं, लेकिन अनुष्का के माता-पिता ने उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेल के प्रति भी प्रोत्साहित किया।

# अश्विन ने सोशल मीडिया पर आलोचना के बाद सीएसके से किया किनारा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर कुछ मेहमानों द्वारा चेन्नई सुपर किंग्स टीम के कुछ खिलाड़ियों की आलोचना की गई थी। इस पर सोशल मीडिया पर आलोचनाओं के बाद अब अश्विन ने बड़ा फैसला लिया है और CSK के मैचों का पूर्वावलोकन या समीक्षा ना करने का फैसला लिया है।

पिछले हफ्ते एक विवाद तब सामने आया जब दक्षिण अफ्रीका और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ( आरसीबी) के पूर्व डेटा विश्लेषक प्रसन्ना अगोरम, जो अक्सर चैनल पर दिखाई देते हैं, ने अश्विन और रवींद्र जडेजा के टीम का हिस्सा होने के बावजूद



अफगानिस्तान के कलाई के स्पिनर नूर अहमद को चुनने के ष्टस्य के फैसले की निंदा की। अगोरम ने दावा किया कि अगर टीम ने तीसरे स्पिनर के बजाय किसी दूसरे बल्लेबाज को चुना होता तो शायद टीम बेहतर स्थिति में होती। सीएसके को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा जिसके बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया के बाद वीडियो को हटा दिया गया।

इसमें 2008 के बाद से आरसीबी से उनकी पहली घरेलू हार और 2010 के बाद से दिल्ली कैपिटल्स से उनकी पहली घरेलू हार शामिल है। वर्तमान में सीएसके चार मैचों में दो अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। नूर वर्तमान में चार गेंदबाजी पारियों में 10 विकेट लेकर टूर्नामेंट में पर्पल कैप धारक हैं, जबकि अश्विन और जडेजा ने आठ गेंदबाजी पारियों में चार विकेट लिए हैं। इस घटना पर अश्विन के यूट्यूब चैनल के एडमिन ने कहा, पिछले सप्ताह इस मंच पर चर्चाओं की प्रकृति को देखते हुए हम इस बात के प्रति सचेत रहना चाहते हैं कि चीजों की व्याख्या कैसे की जा सकती है और हमने इस सीजन के बाकी हिस्सों के लिए सीएसके के मैचों का पूर्वावलोकन और समीक्षा दोनों को कवर करने से दूर रहने का फैसला किया है।

हम अपने शो में आने वाले दृष्टिकोणों की विविधता को महत्व देते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि बातचीत हमारे द्वारा स्थापित मंच की अखंडता और उद्देश्य के प्रति सच्ची रहे। हमारे मेहमानों द्वारा व्यक्त किए गए विचार अश्विन की व्यक्तिगत राय को नहीं दर्शाते हैं।

# भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के तत्वावधान में अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ द्वारा आयोजित जैन पत्रकार सम्मेलन संपन्न

जैन संवाद, भक्तामर मण्डल विधान तथा भारतीय संस्कृति में जैन पत्र-पत्रिकाओं एवं जैन पत्रकारों का योगदान विषयक कृति विमोचित अंतिम युद्ध -चंदेरी भगवान ऋषभदेव की देशनस्थली ऐतिहासिक नगरी चंदेरी में भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के तत्वावधान में शताधिक कलमकारों की उपस्थिति में अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ द्वारा जैन पत्रकार सम्मेलन विविधताओं से भरे माहौल में संपन्न हुआ। आचार्य श्री विद्यासागर जी के सुशिष्य मुनि श्री महासागर जी की गरिमामयी उपस्थिति में दो दिवसीय कार्यक्रम नियोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ तीर्थ क्षेत्र कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सुधीर जैन, महालक्ष्मी न्यूज चैनल के शरद जैन, प्रेस कौंसिल आफ इंडिया के पूर्व सदस्य दै.विश्वपरिवार के संपादक प्रदीप जैन, संगठन के अध्यक्ष शैलेन्द्र जैन व महामंत्री डा.अखिल बंसल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंगलाचरण डा.कल्पना जैन-नौएडा ने किया।

देश भर से आए पत्रकारों को संबोधित करते हुए पूज्य मुनि श्री महासागर जी ने कहा-" आज प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से तेज सोशल मीडिया सभी को जैन समाचार पहुंच रहे हैं यहां देशभर के पत्रकार एकत्रित हुए हैं और यह कहना सही होगा कि आज सोशल मीडिया ज्यादा एक्टिव हो गया है। उसे अपनी जिम्मेदारियां को पूरी गंभीरता से निर्वहन करना होगा। आज जैन समाज में कहीं कोई घटना होती है उसे चैनल महालक्ष्मी तुरंत पूरे देश में ही नहीं विदेश में भी पहुंचा देता है । इसी तरह पत्रकारिता आज जैन समाज में आवश्यक है। मुनि श्री ने कहा गोताखोर जितनी ऊंचाई से पानी में कूदता है वह उतनी ही गहराई में जाता है । इसलिए जैन पत्रकारों को संसार की ऊंचाई में पहुंचने की बहुत कोशिश नहीं करना चाहिए । पूरे जैन समाज का आवाहन करते हुए उन्होंने कहा कि आज सरकार हमारी गिनती 44- 45 लाख की ही करती है जबकि हम स्वयं को एक करोड़ भी मान लें तो भी उसमें दिगंबर जैनों की संख्या 50 लाख तो होगी ही और वर्तमान में प्राचीन तीर्थों की सुरक्षा बहुत बड़ा प्रश्न बन गया है। अगर सभी जैन भाई एक छोटा सा ही संकल्प ले लें कि अपने प्राचीन तीर्थ के जीर्णोद्धार के लिए न्यूनतम 1 प्रतिदिन दान राशि निकालेगा तो वह राशि 50 लाख प्रतिदिन के अनुसार वर्ष भर में लगभग 180 करोड़ होती है और यह राशि अलग-अलग संस्थाओं के स्थान पर तीर्थक्षेत्र के खातों में जमा कराई जाए तो भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के पास मात्र 5 वर्षों में यह राशि 700 करोड़ से ऊपर पहुंच जाएगी जिससे हमारे सभी प्राचीन तीर्थों का जीर्णोद्धार आसानी से हो सकेगा।

उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ते हुए कहा कि जैन समाज अभी भी नहीं जागी तो 30- 40 वर्षों में ही जैन संस्कृति का इस पंचम काल में कुछ समय के लिए विलोप हो जाएगा । उन्होंने पत्रकारों व जैन समाज की अनेक ज्वलंत समस्याओं पर प्रकाश डाला।

# आपके लिए क्यों जरूरी शॉपिंग डिटॉक्स

**शॉपिंग डिटॉक्स से सिर्फ पैसों की ही बचत नहीं होती, बल्कि इससे अन्य भी कई लाभ मिलते हैं।**

महिलाओं के सामने जब भी शॉपिंग का नाम लिया जाता है, तो उनके चेहरे पर एक गजब की मुस्कान छा जाती है। कई बार हम जरूरी चीजों को खरीदने के लिए शॉपिंग करते हैं। वहीं जब कभी मूड ऑफ होता है तो खुद को पैम्पर करने या फिर फील गुड के लिए भी महिलाएं शॉपिंग करना पसंद करती हैं। खासतौर से, टेक्नोलॉजी की दुनिया में फोन की स्क्रीन को स्क्रॉल करते हुए शॉपिंग करना और भी ज्यादा आसान हो गया है।

हालांकि, इस तरह अक्सर हम उन चीजों को भी खरीद लेते हैं, जिनकी हमें वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बस हमें वह आइटम देखने में अच्छी लगती है और हम यह सोचते हैं कि इसका इस्तेमाल हम किसी ना किसी रूप में अवश्य कर लेंगे। लेकिन अमूमन ऐसा होता नहीं है और काफी सारे पैसे यूं ही बर्बाद हो जाते हैं।

यकीनन आप भी अक्सर इंप्लसिव शॉपिंग करती होंगी या फिर मार्केट जाकर खुद को खरीदारी करने से रोक नहीं पाती होंगी। अगर शॉपिंग करना आपको खुशी देता है या फिर आप केवल खुद को फील गुड करवाने के लिए शॉपिंग करती हैं तो अब वक्त आ गया है कि आप शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता चुनें। इससे आपको कई फायदे मिलते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि क्या है शॉपिंग डिटॉक्स और आपके लिए किस तरह हो सकता है लाभदायक-

## क्या है शॉपिंग डिटॉक्स

जिस तरह जब हमारी बॉडी में टॉक्सिन बढ़ जाते हैं तो हम बॉडी को डिटॉक्स करते हैं। ठीक उसी तरह, अगर शॉपिंग के कारण आपकी लाइफ टॉक्सिक होने लगी है तो शॉपिंग डिटॉक्स करना बेहद जरूरी है। शॉपिंग डिटॉक्स के दौरान आप एक तय समय के लिए खुद पर ही लगाम लगाते हैं और खुद को बेवजह की शॉपिंग करने से रोकते हैं। यह आपके लिए फाइनेंशियली व मेंटली तौर पर कई मायनों में लाभदायक है।

## पैसों की बचत

जब आप शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता चुनते है तो इसका सबसे पहला और सीधा लाभ यह होता है कि इसकी वजह से आपकी काफी सारी पैसों की बचत होती है। अगर आपको हर दूसरे-तीसरे दिन शॉपिंग करने की आदत है तो यकीनन आप अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा अनावश्यक चीजों को खरीदने में खर्च कर देती होंगी। लेकिन शॉपिंग डिटॉक्स के दौरान आप अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा बेहद आसानी से बचा पाती हैं।

## बेवजह तनाव से मुक्ति

कुछ महिलाओं को ऐसा लगता है कि शॉपिंग से उन्हें खुशी मिलती है। लेकिन वास्तव में, जब आप शॉपिंग करके बेवजह पैसे खर्च करते हैं तो महीने के अंत में आपको तनाव होता है, क्योंकि जरूरी खर्चों के लिए भी आपके पास पैसे नहीं बचते हैं। वहीं, अत्यधिक शॉपिंग से आपका बजट पूरा बिगड़ जाता है। लेकिन जब आप शॉपिंग डिटॉक्स करते हैं तो आपके काफी सारे पैसों की बचत होती है, जिससे बेवजह तनाव से मुक्ति मिलती है और अंततः आप अधिक हैप्पी महसूस करते हैं।

## खुशियों के रास्ते

कुछ महिलाओं की आदत होती है कि वह खुद को लो फील करने पर शॉपिंग करती हैं। शॉपिंग करने से उन्हें फील गुड होता है और वह अधिक हैप्पी महसूस करती हैं। हो सकता है कि थोड़े पैसे खर्च करके खुशी प्राप्त करने में आपको शायद कोई बुराई नजर ना आती हो। लेकिन हैप्पीनेस के लिए शॉपिंग पर निर्भर रहना सही नहीं है। जब आप शॉपिंग डिटॉक्स करते हैं तो कुछ वक्त के लिए आपको एंग्जाइटी महसूस होती है। लेकिन लगातार ऐसा करने से आपकी निर्भरता शॉपिंग से कम होती है और आप खुद को खुश रखने के लिए कुछ अतिरिक्त रास्ते खोज लेती हैं।

## सेल्फ कंट्रोल

कहते हैं कि किसी भी चीज की अति क्षति का कारण बनती है। ऐसा ही कुछ आपकी शॉपिंग की आदत के साथ भी होता है। अगर आपको शॉपिंग करना इतना अच्छा है कि आप चाहकर भी खुद को रोक नहीं पाती हैं, तो ऐसे में आपको शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता अपनाना चाहिए। इसका लाभ यह होता है कि इससे आपको सेल्फ कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इस तरह, आप बाहरी चीजों के हाथ में नहीं होते हैं, बल्कि अपनी सुविधानुसार उन्हें हैंडल करना सीख जाते हैं।

# प्रकृति और महिलाएं एक-दूजे की पर्याय

**लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है।**

लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है। तो क्यों ना संभलते हुए इन सब समस्याओं से निकलने के प्रयास किए जाएं क्योंकि छोटे-छोटे प्रयास ही सार्थक होकर किसी बड़े कार्य को पूर्ण करेंगे। शायद पर्यावरण बचाव के यज्ञ में हर एक का योगदान एक-एक आहुति से कम न हो।

## एक वृक्ष पहल

हमारे देश में प्रकृति व पृथ्वी को मां का ही दर्जा दिया है। सिर्फ इसलिए कि वे अपने पुत्रों व परिवार के संरक्षण के लिए समर्पित हैं इसलिए क्यों न हम अपने परिवार में एक ऐसी संस्कृति को पनपाएं जो प्रकृति के संवर्धन में भी जुटे और अपने पारिवारिक उत्सव को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ सके। इसमें एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में परिवारजनों का जन्मदिन हो सकता है परिवार के प्रत्येक व्यक्ति के जन्मदिन के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण कर पृथ्वी के उस कर्ज की मुक्ति का रास्ता भी खोला जा सकता है। जिसमें हमने जो कुछ प्रकृति से लिया है या लेंगे उसकी वापसी का रास्ता भी बन सके। इससे प्रकृति प्रेम भी पनपेगा और आने वाली पीढ़ी के लिए संस्कार भी तैयार होंगे। इसी तरह परिवार के अन्य कार्यों जैसे शादी, ब्याह, मुंडन इन सभी को पर्यावरण के किसी कार्य से जोड़ लेना चाहिए। ऐसा ही करके शायद हम अपनी प्रकृति को बचा पाएंगे और आने वाली पीढ़ी को अपनी परंपराओं का हिस्सा बना पाएंगे।

## बिन पानी सब सून

बूंद-बूंद पानी की तरस को इस वर्ष तकरीबन 11 राज्यों के 33 करोड़ लोगों ने देखा है। सबसे बुरे हालात महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं कर्नाटक के गांवों में रहे, जहां गांव के गांव पलायन करने को मजबूर हो गए। यहां तक की गले तर करने तक के लिए रेल के जरिए पानी को भेजा गया। यदि इसी तरह के हालात रहे तो यह सभी के लिए दुखदायी होंगे। इसलिए हम सभी को यह सोचना होगा कि जब पानी के बिना सब सूना है तो क्यों न बूंद-बूंद से ही घट भरा जाए। जब तक हम सचेत नहीं होंगे तब तक और किसी को नहीं सिखाया जा सकता है। तो क्यों न इस पानी बचाव की शुरुआत घर से ही प्रारंभ की जाए। घर के हर सदस्य को पानी की बचत के साथ पानी को सुरक्षित रखने के उपाय अपनाने होंगे तभी तो हम इसका संरक्षण कर पाएंगे।

## महिलाओं का योगदान

इतिहास को खंगाले तो ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा, पर्यावरण की रक्षा में हमेशा से महिलाओं को ही अग्रणीय पाया गया है। विश्व प्रसिद्ध चिपको आंदोलन की प्रणेता गौरा देवी गांव की सरल महिला थीं, जिसकी वन वृक्ष की लड़ाई विश्व प्रसिद्ध हुई।

आखिर पूरे हिमालय में वनों के प्रति यह संवेदनशीलता उस महिला को ही क्यों भायी? वनों के पतन की पीड़ा ने उन्हें ही क्यों झकझोरा था? बात गौरा देवी की ही नहीं बल्कि राजस्थान के विश्नोई समुदाय की भी है, जहां महिलाओं ने पेड़ों पर चिपककर उनके काटने का विरोध किया था। आखिर नोबेल पुरस्कार विजेता अफ्रीका की मथाई को ही करोड़ों वृक्षों को लगाने की सुध क्यों आई। ऐसे ही अपने देश व विदेशों की बहुत-सी कहानियां हैं, जिनमें महिलाएं वृक्षों के प्रति गंभीर संवेदनशीलता दर्ज कर चुकी हैं। इतिहास गवाह है कि वन लगाने की बात हो या फिर इसको बचाने की मुहिम हो उस पर महिलाएं ही अग्रणी रही हैं। इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा में सबसे पहले महिलाओं को ही याद किया जाता है ताकि उनके और प्रयास से हम आने वाले समय में भी कुछ बेहतर प्रयास कर सकें। असल में इसका कारण वृक्ष और महिलाओं की समान प्रवृत्तियां है। दोनों ही समाज के लिए समर्पित हैं। दोनों के ही समान व्यवहार हैं। महिला और वृक्ष समाज के सृजन व बेहतरी के लिए बिना किसी शर्त के सदियों से सेवा में जुटे हैं। निस्वार्थता दोनों का मूल चरित्र है। इसलिए यह कहना कदापि अतिश्योक्ति नहीं होगी कि दोनों के बिना प्रकृति पृथ्वी और समाज अर्थविहिन व पंगु कहलाएगा। सच यह है कि मूल भाव से दोनों ही एक-दूसरे को समझते ही नहीं है बल्कि पूरक भी हैं और अगर ऐसा नहीं होता तो क्यों महिलाएं वनों व वृक्षों से ज्यादा बेहतर तालमेल रखतीं। यह स्वतः ऐसी प्रक्रिया है जिससे प्रकृति व प्रवृत्ति की समान झलक दिखाई देती है। ■

# बिक भी सकता है केजरीवाल वाला शीशमहल! रेखा गुप्ता ने 3 विकल्पों में यह भी गिनाया

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक बार फिर साफ किया है कि वह उस बंगले में नहीं रहेंगी जिसमें बतौर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रहा करते थे। भाजपा इस बंगले में सुख-सुविधा के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च का आरोप लगाती है और शीशमहल नाम से पुकारती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा है कि शीशमहल का इस्तेमाल जनता के हित में ही किया जाएगा। उन्होंने इसके लिए 3 विकल्प गिनाते हुए यह भी कहा कि इसे नीलाम भी किया जा सकता है।

एक इंटरव्यू में रेखा गुप्ता ने कथित शीशमहल को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाव में कहा, जरूर जनता के हित में उस प्रॉपर्टी का इस्तेमाल करेंगे। बहुत सारे विकल्प आ रहे हैं, जनता सुझाव देती है। इसे स्टेट गेस्ट हाउस बना दिया जाए क्योंकि दिल्ली का अपना कोई स्टेट गेस्ट हाउस नहीं है, ऐसा भी मन में है। इसकी नीलामी करा दी जाए और जितना पैसा मिलेगा उसे वापस सरकारी खजाने में जमा करा दिया जाए, ऐसा भी हम सोचते हैं। इसको जनता के लिए खोल दिया जाए, लोग आएं और देखें। कुछ भी संभव है। हम विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इससे पहले रेखा गुप्ता यह भी कह चुकी हैं कि शीशमहल को म्यूजियम बनाने पर भी विचार चल रहा है।

सीएम रेखा गुप्ता ने इस इंटरव्यू के दौरान यह भी साफ किया कि वह शीशमहल में नहीं रहेंगी। उन्होंने कहा, शीशमहल रहने लायक नहीं है, हमारी आत्मा यह गवाही नहीं देती है। जो जनता को नोंचकर पैसा इकट्ठा किया गया और महल बनाया गया। उस घर में रहना संभव नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अपने पुराने घर में ही रह रही हैं। वहीं से अपना ऑफिस चला रही हैं। सीएम ने कहा कि यह छोटा जरूर है, लोग ज्यादा आने लगे हैं। गली में ही टेबल चेयर लगा लेते हैं। जब सरकारी घर जिस लायक मिलेगा तब मिलेगा, तब तक अपने घर से काम चल रहा है।

## दिल्ली में मुफ्त बस सफर महिलाओं के लिए हो जाएगा बंद, 2 नियम समझ लीजिए

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद कई तरह के बदलावों की शुरुआत हो गई है। इनमें से एक यह है कि अब दिल्ली में बस सफर सबके लिए मुफ्त नहीं होगा। वजह यह है कि रेखा गुप्ता सरकार पिंक टिकट सिस्टम को खत्म करने जा रही है। दिल्ली की बसों में मुफ्त सफर के लिए महिलाओं को अब स्मार्ट कार्ड दिए जाएंगे।

दिल्ली में परिवहन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, मुफ्त बस सफर के लिए स्मार्ट कार्ड की जल्द शुरुआत होने जा रही है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। रजिस्ट्रेशन के बाद जिन महिलाओं को यह कार्ड मिलेगा उन्हें ही मुफ्त बस सफर का लाभ मिलेगा। फिलहाल जब तक स्मार्ट कार्ड की शुरुआत नहीं होती है तब तक पिंक टिकट के जरिए सफर की सुविधा जारी रहेगी।

**किनको नहीं मिलेगा मुफ्त बस सफर, दो नियम:** परिवहन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक मुफ्त बस सफर योजना का लाभ दिल्ली की महिलाओं को ही मिलेगा। इस सुविधा का लाभ तभी लिया जा सकता है जब आपके पास स्मार्ट कार्ड होगा। इन दो नियमों का मतलब यह है कि जिन महिलाओं के आधार या वोटर कार्ड में दिल्ली का पता नहीं है उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा दिल्ली की उन महिलाओं को भी मुफ्त बस सफर का लाभ नहीं मिलेगा जो इस योजना के तहत रजिस्ट्रेशन नहीं कराएंगी।

**क्यों ऐसा बदलाव करने जा रही है भाजपा सरकार:** दरअसल, भाजपा सरकार का आरोप है कि आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान मुफ्त बस सफर के नाम पर बड़े पैमाने पर घोटाला किया जा रहा था। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि जितनी महिलाएं सफर कर रही थीं उनसे कहीं अधिक टिकट जारी करके सरकार से भुगतान प्राप्त किया जा रहा था।

## आज ही लगा दीजिए स्कूलों की बढ़ी हुई फीस पर रोक; आतिशी की सीएम रेखा गुप्ता को खुली चुनौती

**नईदिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ाए जाने के मामले पर लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर है। पार्टी का दावा है कि पिछले 10 सालों से एजुकेशन माफिया पर रोक लगी हुई थी लेकिन भाजपा सरकार के आते ही ये एक बार फिर ऐक्टिव हो गया है और स्कूल की फीस बढ़ाकर बच्चों के माता-पिता को लूटने का काम किया जा रहा है। इस आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने इस मामले पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बड़ी चुनौती दी है। उनका कहना है कि अगर भाजपा की प्राइवेट स्कूलों से कोई सांठगांठ नहीं है तो मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को आज ही बढ़ी हुई स्कूल फीस पर रोक लगा देनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि ये मेरा रेखा गुप्ता को चैलेंज है। इसी के साथ उन्होंने भाजपा सरकार से तीन बड़ी

मांग की है। उन्होंने कहा, दिल्ली में हाहाकार मचा हुआ है। माता-पिता स्कूलों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। स्कूलों के गेट बंद कर दिए गए हैं। माता-पिताओं को अंदर नहीं जाने दिया जा रहा क्योंकि जब से भाजपा की सरकार बनी है स्कूलों ने बेतहाशा फीस बढ़ाने का काम शुरू कर दिया है। स्कूलों को खुली छूट मिल गई है। आतिशी ने कहा, बच्चों के माता-पिता हमें कॉल कर रहे हैं और कह रहे हैं कि किसी तरह इस बढ़ी हुई फीस को रुकवाइए। ऐसे में रेखा गुप्ता जी से कहना चाहती हूं कि अगर भाजपा की इन प्राइवेट स्कूलों से सांठगांठ नहीं है तो आप ही आज ही आदेश पारित कीजिए कि बढ़ी हुई फीस माता-पिता को नहीं देनी है और इस पर रोक लगा दीजिए। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार से हमारी तीन बड़ी मांग है।

# पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, बधावर गैंग के बाप-बेटे गिरफ्तार

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली पुलिस ने बधावर गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पिता-बेटे को गिरफ्तार किया है। दोनों पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी अर्जुन सिंह और उसके बेटे शिवम, दोनों सिरसपुर के जीवन पार्क के निवासी हैं, जिन्हें रोहिणी में विशेष मकोका अदालत के सामने आत्मसमर्पण करने के बाद गिरफ्तार किया गया। डिप्टी पुलिस कमिश्नर (बाहरी उत्तर) निधिन वलसन ने बताया कि अदालत ने संगठित आपराधिक गतिविधियों में उनकी कथित संलिप्तता की आगे की जांच के लिए उन्हें तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि ये दोनों संजय सिंह उर्फ सोनू और मोहन सिंह उर्फ मोनू के पिता और भाई हैं, जो बधावर गिरोह के प्रमुख नेता हैं। उन्होंने बताया कि सोनू और मोनू दोनों को 13 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उनपर डकैती, लूट, जबरन वसूली, हत्या के प्रयास और अवैध शराब का व्यापार सहित कई अपराधों में उनकी कथित भूमिका के लिए मकोका के तहत मामला दर्ज किया गया था। डीसीपी वलसन ने कहा, अर्जुन और शिवम की गिरफ्तारी गिरोह की आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने में एक महत्वपूर्ण घटना है। उन्होंने कहा कि दोनों के खिलाफ चल रही कानूनी कार्यवाही के बावजूद वे अबतक गिरफ्तारी से बच रहे थे।3 अप्रैल, 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जिससे उनके आत्मसमर्पण का रास्ता साफ हो गया। पुलिस के अनुसार, बधावर गिरोह ने कथित तौर पर सशस्त्र डकैती, जबरन वसूली और अवैध शराब के व्यापार में अपनी संलिप्तता के माध्यम से एक आपराधिक साम्राज्य खड़ा किया हुआ है।डीसीपी वलसन ने कहा, मोहन सिंह और उसके भाई संजय सिंह ने बंदूक की नोक पर कई सशस्त्र डकैतियों को अंजाम दिया, जिसमें आम आदमियों और बिजनेसमैन दोनों को निशाना बनाया गया। उन्होंने व्यापारियों और स्थानीय व्यापारियों से प्रोटेक्शन मनी की मांग करते हुए जबरन वसूली का रैकेट भी चलाया और टारगेट हमलों के जरिए अपने प्रतिद्वंद्वियों को खत्म कर दिया।

# महिला इंजीनियर ने कोमा में जाने के बाद तोड़ा था दम, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से हैवानियत का खुलासा

**नोएडा, एजेंसी।** सेक्टर-15 स्थित तीन मंजिला घर में हुई महिला सिविल इंजीनियर की हत्या के मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पति के हथौड़े के पहले वार के बाद महिला कोमा में चली गई थी। इसके बाद भी उस पर हथौड़े से लगातार कई वार किए गए। आरोपी पति ने पत्नी का चाकू से भी गला रेता था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में ब्रेन हैमब्रेज होने की भी पुष्टि हुई है।

पुलिस के मुताबिक, बिहार के चंपारण का नुरुल्लाह हैदर पत्नी आसमां और दो बच्चों के साथ सेक्टर-15 स्थित तीन मंजिला मकान में रहता था। बीते दिनों उसकी पत्नी आसमां से लड़ाई हुई तो रिश्तेदारों ने आकर मामला शांत करा दिया था।

पत्नी ने जब दोबारा लड़ाई शुरू की तो पति नुरुल्लाह हैदर ने आसमां की हत्या करने की सोच ली। आसमां दोपहर 1 बजे के करीब पहली मंजिल पर स्थित कमरे में सो रही थी, तभी नुरुल्लाह हैदर वहां पहुंचा और चाकू और हथौड़े से वार कर आसमां की हत्या कर दी।

### तानों से तंग आकर ली थी इंजीनियर पत्नी की जान

आरोपी पति ने पुलिस की पूछताछ में इस बात का खुलासा किया कि उसने तानों से तंग आकर पत्नी की हत्या की थी। आरोपी ने बताया कि वह बीते 10 साल से बेरोजगार है, जबकि पत्नी आसमां एक एमएनसी में प्रोजेक्ट मैनेजर थी। फेज-1 थाना पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर शनिवार को कोर्ट के सामने पेश किया था, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। नुरुल्लाह ने बताया कि आसमां हमेशा उससे दुर्व्यवहार करती थी। पत्नी द्वारा की जा रही बेइज्जती उसे अंदर से खोखला किए जा रही थी। उनके बीच शुक्रवार को जब लड़ाई हुई तो आरोपी ने सोचा कि रोज-रोज की कलह से अच्छा है कि पत्नी को मार कर खत्म कर दिया जाए। तीन मंजिला मकान की पहली मंजिल पर जब आसमां सो रही थी, तभी वह वहां पहुंचा और किचन से चाकू उठाकर पत्नी की गर्दन काट दी। आरोपी ने खून निकलने पर कमरे में रखी हथौड़ी से पत्नी के माथे और सिर पर कई वार किए। वह पत्नी पर तब तक वार करता रहा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई।

### पत्नी का मोबाइल चेक करता था आरोपी

पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि वह अक्सर पत्नी का मोबाइल चेक करता था। आसमां के मोबाइल पर अक्सर अनजान नंबर से कॉल आती थीं, जो उसे पसंद नहीं था। इसके लिए उसने कई बार पत्नी को मना भी किया था।

# तीन सौ से अधिक कन्याओं का पूजन कर भेंट किए स्कूल में काम आने वाले अनेक उपहार

इंदौर। छोटा बांगड़दा, एयरपोर्ट रोड स्थित बाबाश्री रिसोर्ट पर रविवार रात को 300 से अधिक कन्याओं का पाद पूजन कर उन्हें नए वस्त्र, चुनरी, मुकुट-माला एवं स्कूल में काम आने वाली वस्तुओं का उपहार देकर सम्मानित किया गया। सरकारी स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी इस अवसर पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। बाबाश्री परमार्थिक ट्रस्ट की मेजबानी में आयोजित इस कार्यक्रम में रामनवमी एवं चैत्र नवरात्रि के समापन पर आसपास की बस्तियों की 300 से अधिक कन्याओं को दोपहर 4 बजे से आमंत्रित किया गया, जहां उनके लिए पसंदीदा खेलों की व्यवस्था के साथ ही अनेक व्यंजनों के स्टाल भी लगाए गए । संध्या को ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश-सीता देवी गोयल, द्वारकाप्रसाद गोयल, रामेश्वर दयाल एवं जगदीश प्रसाद के साथ नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, समाजसेवी विष्णु बिंदल, तृप्ति – अरुण गोयल, अरुण-आरती गोयल, अरविंद बागड़ी शामिल रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा )